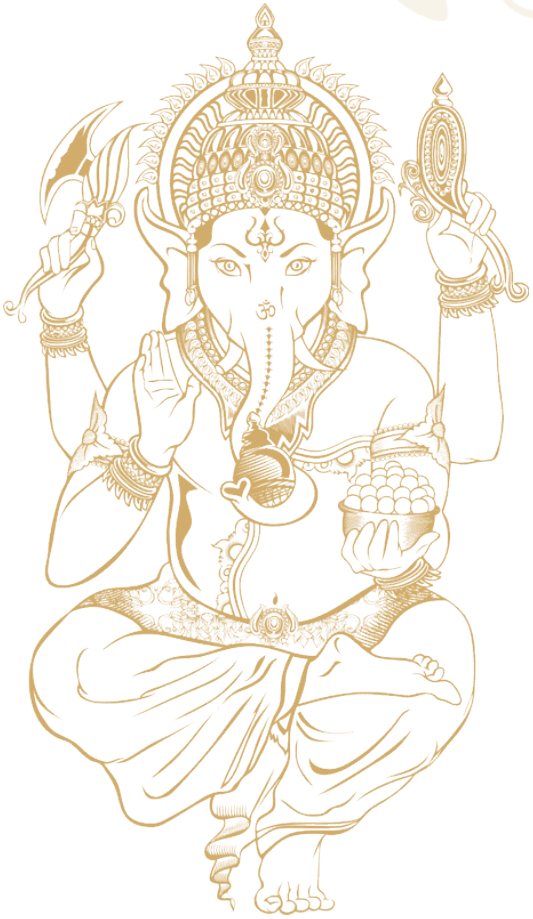

Bholesh

18 Jan 2026

09:25 PM

Hanumangarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121021602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18/01/2026**
दिन	रविवार
जन्म समय	**21:25:00 घंटे**
इष्ट	34:52:20 घटी
स्थान	**Hanumangarh**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	29:33:00 उत्तर
रेखांश	74:21:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:32:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:52:24 घंटे
वेलान्तर	-00:10:20 घंटे
साम्पातिक काल	04:44:41 घंटे
सूर्योदय	07:28:03 घंटे
सूर्यास्त	17:58:15 घंटे
दिनमान	10:30:12 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	04:20:31 मकर
लग्न के अंश	19:20:24 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	वज्र
करण	नाग
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	भो-भोजराज
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	19:20:24	313:53:15	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	---
सूर्य			मक	04:20:31	01:01:06	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			मक	02:27:24	12:28:12	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	मक	02:06:04	00:46:38	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
बुध		अ	मक	02:24:04	01:39:08	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	24:46:29	00:07:53	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	07:12:08	01:15:26	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	मित्र राशि
शनि			मीन	03:12:07	00:05:00	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	15:18:08	00:06:32	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	15:18:08	00:06:32	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:21:15	00:00:51	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:35:13	00:01:18	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:02:51	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	18:24:21	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:22

लग्न-चलित

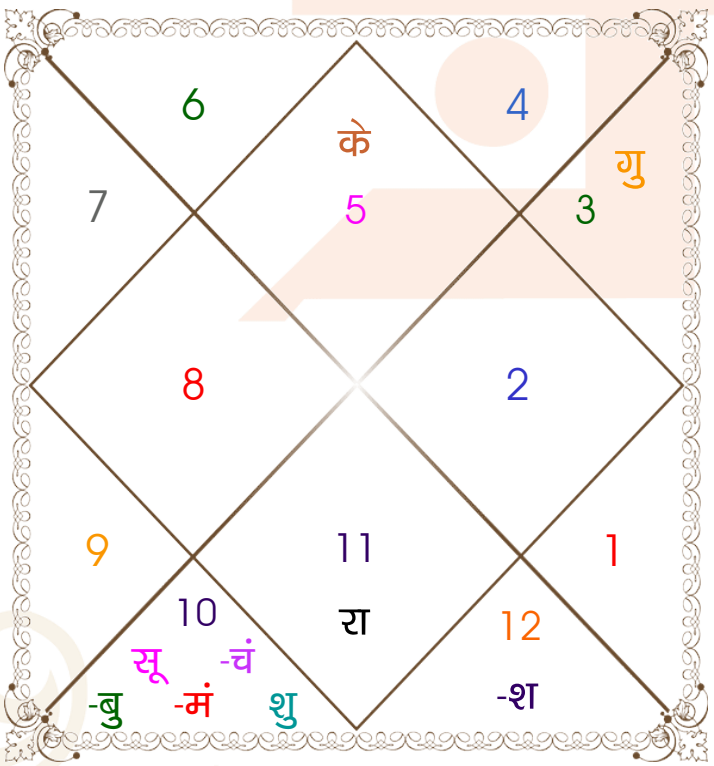

चन्द्र कुंडली

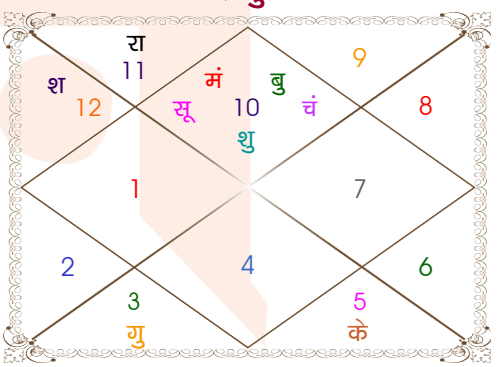

नवमांश कुंडली

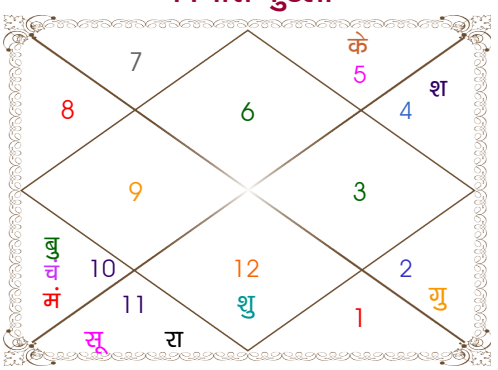

सिद्धपीठ बालाजी धाम जोड़किया
जोड़किया (हनुमानगढ़)
7062685690
pawan.sharma.85690@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 4 मास 22 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
18/01/2026		11/06/2029		12/06/2039		11/06/2046		11/06/2064	
11/06/2029		12/06/2039		11/06/2046		11/06/2064		11/06/2080	
	00/00/0000	चंद्र	12/04/2030	मंगल	08/11/2039	राहु	22/02/2049	गुरु	30/07/2066
	00/00/0000	मंगल	11/11/2030	राहु	25/11/2040	गुरु	18/07/2051	शनि	09/02/2069
	00/00/0000	राहु	12/05/2032	गुरु	01/11/2041	शनि	24/05/2054	बुध	18/05/2071
	18/01/2026	गुरु	11/09/2033	शनि	11/12/2042	बुध	11/12/2056	केतु	23/04/2072
गुरु	18/04/2026	शनि	12/04/2035	बुध	08/12/2043	केतु	29/12/2057	शुक्र	23/12/2074
शनि	31/03/2027	बुध	10/09/2036	केतु	05/05/2044	शुक्र	29/12/2060	सूर्य	11/10/2075
बुध	04/02/2028	केतु	11/04/2037	शुक्र	06/07/2045	सूर्य	23/11/2061	चंद्र	09/02/2077
केतु	11/06/2028	शुक्र	11/12/2038	सूर्य	10/11/2045	चंद्र	24/05/2063	मंगल	16/01/2078
शुक्र	11/06/2029	सूर्य	12/06/2039	चंद्र	11/06/2046	मंगल	11/06/2064	राहु	11/06/2080

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
11/06/2080		12/06/2099		12/06/2116		13/06/2123		13/06/2143	
12/06/2099		12/06/2116		13/06/2123		13/06/2143		00/00/0000	
शनि	15/06/2083	बुध	08/11/2101	केतु	08/11/2116	शुक्र	12/10/2126	सूर्य	30/09/2143
बुध	22/02/2086	केतु	06/11/2102	शुक्र	08/01/2118	सूर्य	12/10/2127	चंद्र	31/03/2144
केतु	03/04/2087	शुक्र	05/09/2105	सूर्य	16/05/2118	चंद्र	12/06/2129	मंगल	06/08/2144
शुक्र	02/06/2090	सूर्य	13/07/2106	चंद्र	15/12/2118	मंगल	12/08/2130	राहु	30/06/2145
सूर्य	15/05/2091	चंद्र	12/12/2107	मंगल	13/05/2119	राहु	12/08/2133	गुरु	19/01/2146
चंद्र	14/12/2092	मंगल	09/12/2108	राहु	31/05/2120	गुरु	12/04/2136		00/00/0000
मंगल	22/01/2094	राहु	28/06/2111	गुरु	07/05/2121	शनि	13/06/2139		00/00/0000
राहु	28/11/2096	गुरु	03/10/2113	शनि	16/06/2122	बुध	13/04/2142		00/00/0000
गुरु	12/06/2099	शनि	12/06/2116	बुध	13/06/2123	केतु	13/06/2143		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 4 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि के विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगे। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगे। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगे। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाले, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाले, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगे। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने के इच्छुक रहेंगे तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगे।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगे। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगे। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगे।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगे-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगे। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगे। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपने भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगे। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर आपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकते हों।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगे कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य व्यक्ति की तरह भरण पोषण करते हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगे।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगे।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकता है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।